छत्तीसगढ़ में क्वारंटाईन सेन्टर की स्थिति

ग्रामीण क्षेत्र में क्वारंटाईन सेन्टर का प्रबंधन एवं संचालन के दायित्व ग्राम पंचायत पर निर्धारित किये गये है जिसके अनुपालन में ग्राम पंचायतों द्वारा प्रबंधन के कार्य किये जा रहे है। ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित क्वारंटाईन सेन्टर में प्रवासी श्रमिकों को उपलब्ध सुविधायें एवं उनकी गतिविधियों को समझने के लिये जशपुर, राजनांदगांव, रायपुर व सरगुजा के 109 क्वारंटाईन सेन्टर का निरिक्षण (दिनांक 18 से 20 मई 2020) किया गया। जिनके प्रमुख्य बिन्दु इस प्रकार है।

सेन्टर में क्वारंटाईन मजदूरों की संख्या

जिला	सेन्टर	महिला	पुरूष	बच्चें	कुल
जशपुर	16	27	54	0	81
राजनांदगांव	37	164	337	68	569
रायपुर	53	136	191	77	404
सरगुजा	3	4	36	1	41
कुल	109	331	618	146	1095

इन 109 क्वारंटाईन सेन्टर में कुल 1095 प्रवासी मजदूर रूके हुये है।

जिसमें 331 महिलाये, 618 पुरूष व 146 बच्चें है।

सेन्टर में मजदूरों का संख्यात्मक दबाव

मजदूरों की संख्या	जशपुर	राजनांदगांव	रायपुर	सरगुजा	कुल
1 से 10	15	15	39	1	70
11 से 25	1	15	10	0	26
26 से 50	0	4	2	1	7
50 के उपर	0	3	2	1	6
कुल	16	37	53	3	109

- 70 सेन्टर में 10 से कम मजदूर रूके हुये है।
- 26 सेन्टर में 25 तक मजदूर रूके हुये है
- 07 सेन्टर में 20 से 50 तक मजदूर रूके हुये है
- 6 केन्द्रों में 50 से अधिक मजदूर रूके हुये है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 25 से कम मजदूर वाले सेंन्टर में रूकने, शौचालय, पानी, भोजन की सुविधा पर्याप्त हो रही है।
- 25 से अधिक मजदूर वाले सेन्टर में सामाजिक दूरिया सुनिश्चित करना बहुत कठिन है।
- 50 से अधिक मजदूर वाले सेन्टर में शौचालय, पानी, भोजन आदि की दिक्कते है। इन केन्द्रों में सामाजिक दुरिया सुनिश्चित नही हो पा रही है क्योंकि मजदूरों की संख्या ज्यादा है।

क्वारंटाईन सेन्टर में महिलाओं के लिये कक्ष

101 सेन्टर पर 331 महिलाये क्वारंटाईन की गयी है। 51 प्रतिशत सेन्टर में महिलाओं को पुरूषों के साथ संयुक्त कक्ष में रखा गया है।

- निरीक्षण में पाया गया है कि यदि महिला व पुरूष एक परिवार से है, उनको एक साथ एक कक्ष में रखा गया है।
- कुछ सेन्टर में, मजदूर एक परिवार के नही है परन्तु एक साथ आये हुये है, इसलिये उनको एक संयुक्त कक्ष में रखा गया है। इसमें 2 से 3 परिवार भी शामिल है।
- 35 केंन्द्र में महिलाओं के लिये अलग से कक्ष निर्धारित नही किया गया है इसलिये उनको संयुक्त कक्ष में रखा गया है।

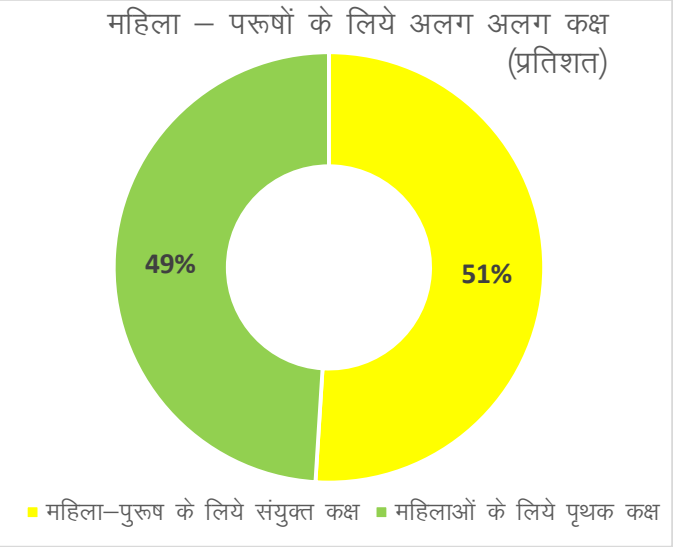

महिलाओं के लिये शौचालयों की सुविधा

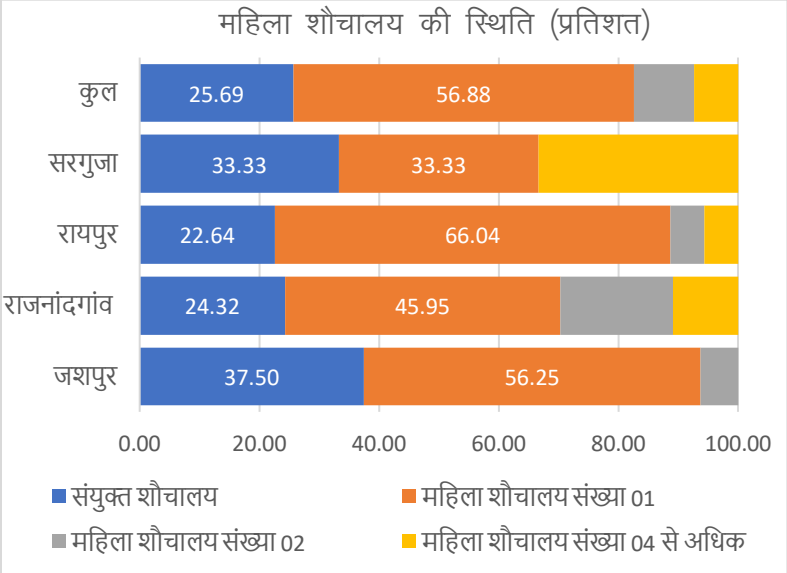

क्वारंटाईन सेन्टर, अधिकांशतः स्कूलों में तैयार किये गये है परन्तु स्कूलों के सभी शौचालय कार्यरत नही होते है जिस कारण महिला व पुरूषों को अलग अलग शौचालय उपलब्ध नही हो पा रहे है।

25.69 प्रतिशत सेन्टर में महिलाओं के लिये अलग शौचालय नही है।

56.88 प्रतिशत सेन्टर में महिलाओं के लिये केवल 1 शौचालय कार्यरत है जबकि महिलाओं की संख्या अधिक है।

अर्थात, 82.52 प्रतिशत सेन्टर में महिलाओं के लिये शौचालय की दिक्कत हो रही है।

क्वारंटाईन सेन्टर में उपलब्ध सुविधायें एवं गतिविधियां

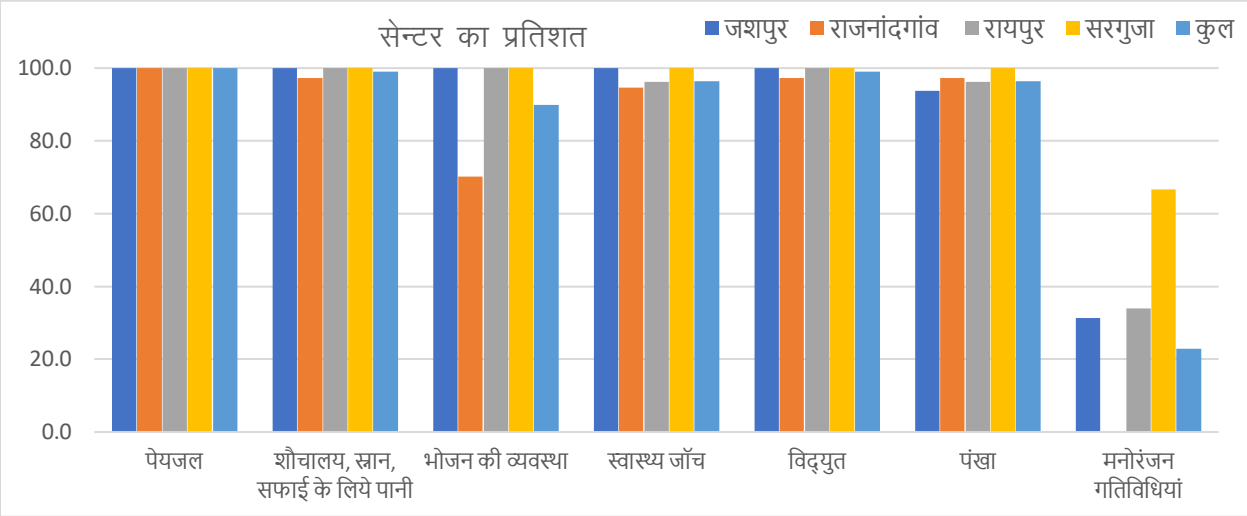

उपरोक्तानुसार स्पष्ट है कि

- सेन्टर में पेयजल, शौचालय, स्नान, सफाई आदि के लिये पानी की सुविधा लग भग सभी सेन्टर पर उपलब्ध है।
- राजनांदगांव जिले के 30 प्रतिशत सेन्टर में भोजन की व्यवस्था नही हो पा रही है। कुछ प्रवासी मजदूरों को उनके घर का भोजन उपलब्ध कराया जाता है जिसमें सामाजिक दूरियों का पालन नही हो रहा है।
- स्वास्थ्य जॉच, विद्युत व पंखों की सुविधा है परन्तु दरी, बिस्तर, चादर की अक्सर कमी रहती है।
- 23 प्रतिशत से अधिक सेन्टर में क्वारंटाईन मजदूरों के साथ मनोरंजन या अन्य तरह की गतिविधियां आयोजित नही हो पा रही है जिस कारण मजदूर परेशान, चिंतित हो रहे है। इस स्थिति में मजदूर सेन्टर में रूकने के लिये तैयार नही हो पाते है।

निष्कर्ष,

- मजदूरों की संख्या कम होने के कारण व्यवस्था हो पाती है परन्तु मजदूरों की संख्या बढ़ने के कारण शौचालय, भोजन, निवास कक्ष आदि की दिक्क्ते हो रही है तथा सामाजिक दूरिया सुनिश्चित नही हो पाती है।
- मजदूरों की संख्या कम होने के बावजूद महिलाओं के लिये अलग से कक्ष, अलग से शौचालय की कमी है।
- सेन्टर में एक बिमार व्यक्ति की तरह मजदूरों के साथ व्यवहार किया जाता है जिस कारण मजदूरों के मन में डर तैयार हो रहा है। केवल रहने, खाने व इंतजार के अलावा अन्य गतिविधिया बहुत कम सेन्टर पर हो रही है जिस कारण मजदूर सेन्टर पर रहने के लिये तैयार नही होते है।

अतः यह जरूरी है कि मजदूरों के अनुपात में सुविधाओं का विकास तथा सेन्टर को एक घर या विकास केन्द्र के रूप में विकसित किया जाये। इस सेन्टर में अभ्यास, श्रम, गीत, चर्चा जैसी अलग अलग गतिविधिया क्रियान्वित की जा सकती है ताकि मजदूरों के मनोबल में वृद्धि हो। वर्तमान में, विशेष गतिविधियों के अभाव में, मजदूर आपस में ताश पत्ती खेलते हुये पाये जाते है।